दिल्ली के अस्पतालों में डेंगू से ज्यादा मरीज वायरल फीवर के

OPD में आने वाले 50% मरीज वायरल के

■ प्रमुख संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली को इन दिनों वायरल फीवर ने जकड़ लिया है। हर परिवार में कोई न कोई फीवर और गले में खराश का शिकार है। अस्पतालों में भी ऐसे मरीजों की लाइन लगी हुई है। ओपीडी में आने वाले 40 से 50 पर्सेंट मरीज वायरल फीवर के हैं। डॉक्टरों का कहना है कि मेडिसिन डिपार्टमेंट में आने वाले हर दूसरा मरीज वायरल फीवर से ग्रस्त है।

मैक्स के डॉक्टर रोमेल किट्टू ने कहा कि अभी डेंगू से ज्यादा वायरल फीवर के मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं। किसी-किसी परिवार में एक के बाद एक पूरा परिवार वायरल फीवर की गिरफ्त में आ रहा है। इस समय दिल्ली में डेंगू से ज्यादा वायरल फीवर का अटैक है। आकाश हॉस्पिटल की डॉक्टर परिणीता कौर ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में वायरल फीवर के मरीज काफी संख्या में पहुंच रहे हैं। रोजाना फीवर की वजह से 40 से 50 पर्सेंट मरीज ओपीडी में आ रहे हैं। इनमें से कुछ में लक्षण काफी खराब होते हैं, जिसकी वजह से उन्हें एडमिट भी करना पड़ रहा है।

एशियन हॉस्पिटल के डॉक्टर राजेश बुद्धिराजा ने कहा कि कुछ मरीजों में फीवर का उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है, जिससे बॉडी खुद को पर्याप्त तरल पदार्थ मुहैया नहीं करा पाती, जिससे डिहाइड्रेशन का खतरा रहता है। कुछ मामले में वायरल के साथ-साथ उल्टी, डायरिया भी देखा जा रहा है। ऐसे लोग फीवर होने पर खुद को हाइड्रेट रखें। वेंकटेश्वर हॉस्पिटल के डॉक्टर आशीष खट्टर ने कहा कि उनके हॉस्पिटल में 30 पर्सेंट से ज्यादा ऐसे केस बढ़ गए हैं। हाई फीवर, कोल्ड कफ और सिर दर्द की वजह से मरीज इलाज के लिए पहुंच रहे हैं।

फीवर के कारण वायरल के कई कारण हो सकते हैं। इंफेक्शन बड़ी वजह हो सकता है। 90 से 95 प्रतिशत मामलों में टेस्ट की जरूरत नहीं होती।

कब फैलता है मौसम बदलने पर होता है, लेकिन मॉनसून में लोग इसके ज्यादा शिकार होते हैं। 3 से 4 दिनों तक असर दिखता है।

लक्षण बुखार, सिर दर्द, नाक बहना, मांसपेशियों में दर्द

इलाज एंटीबायोटिक नहीं दी जाती। तापमान 102 डिग्री तक रहता है। 6 घंटे में पैरासिटामॉल की एक गोली मरीज को दे सकते हैं। 2-3 दिन तक बुखार ठीक न हो, तो डॉक्टर के पास जाएं